

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

मूल्यों और विश्वास पर आधारित सफलता : मिलिंद प्रमोदचंद गांधी की प्रेरक उद्यम यात्रा

Sanket Morankar

Published on 03 Mar 2026



सफलता संयोग से नहीं मिलती, बल्कि वह संस्कार, स्पष्ट लक्ष्य और सतत परिश्रम का परिणाम होती है। मिलिंद प्रमोदचंद गांधी ऐसे ही उद्यमी हैं जिन्होंने ईमानदारी और नैतिक मूल्यों को अपनी सफलता का आधार बनाया।

19 सितंबर 1972 को जन्मे मिलिंद गांधी का पालन-पोषण एक संस्कारवान जैन परिवार में हुआ। बचपन से ही उन्हें सत्य, संयम, अनुशासन और प्रामाणिकता का महत्व सिखाया गया। यही मूल्य आगे चलकर उनके व्यापारिक जीवन की पहचान बने।

प्राथमिक शिक्षा धाराशिव में पूर्ण करने के बाद वे उच्च शिक्षा के लिए पुणे आए और बी.कॉम. की पढ़ाई की। छात्र जीवन में ही उन्होंने यह तय कर लिया था कि उन्हें नौकरी नहीं, बल्कि स्वयं का व्यवसाय स्थापित करना है।

उनका मानना था कि व्यापार में केवल डिग्री नहीं, बल्कि दूरदर्शिता, निर्णय क्षमता और लोगों के साथ विश्वास का रिश्ता बनाना आवश्यक होता है। इसी सोच के साथ उन्होंने स्वयं को मानसिक और व्यावसायिक रूप से तैयार किया। व्यवसाय शुरू करने के बाद भी उन्होंने पढ़ाई जारी रखी और एम.कॉम. की डिग्री प्राप्त की।

उनके जीवन में उनके पिता का विशेष योगदान रहा। पिता ने उन्हें सिखाया कि “व्यवसाय में लाभ से अधिक महत्वपूर्ण है विश्वास।”

5 फरवरी 1995 को परिवार के आशीर्वाद से उन्होंने अपने व्यापार की शुरुआत की। यह दिन उनके जीवन का नया अध्याय था।

1998 में पिता के निधन के बाद उन्हें गहरा आघात लगा, परंतु उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। पिता द्वारा दिए गए सिद्धांतों को आधार बनाकर उन्होंने व्यवसाय को आगे बढ़ाया।

समय के साथ उनका प्रतिष्ठान गुणवत्ता, उचित मूल्य और पारदर्शी व्यवहार के लिए जाना जाने लगा। उन्होंने केवल हार्डवेयर उत्पादों तक सीमित न रहकर सैनिटरी वेयर और बिल्डिंग मटेरियल को भी अपने व्यापार में शामिल किया।

ग्राहकों को सही मार्गदर्शन और भरोसेमंद सेवा प्रदान करना उनकी प्राथमिकता रही। उनका विश्वास है कि व्यवसाय की वास्तविक

पूँजी ग्राहक का भरोसा होता है।

उनके व्यावसायिक जीवन में एक कठिन दौर तब आया जब कुछ प्रतिस्पर्धियों ने उनके विरुद्ध झूठा मामला दर्ज किया। यह समय मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था।

परंतु उन्होंने सत्य और धैर्य का मार्ग नहीं छोड़ा। कानूनी और नैतिक तरीके से स्थिति का सामना किया और अंततः सत्य की जीत हुई। इस घटना ने उनके व्यक्तित्व और प्रतिष्ठा को और मजबूत बनाया।

पिछले 32 वर्षों में उन्होंने बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार अपने व्यवसाय को विकसित किया। उन्होंने आधुनिक सोच और पारंपरिक मूल्यों के संतुलन को बनाए रखा।

आज उनका प्रतिष्ठान ग्राहकों के लिए एक संपूर्ण समाधान केंद्र के रूप में स्थापित है।

इतनी सफलता के बावजूद उनके व्यक्तित्व में सरलता और विनम्रता बनी हुई है। वे मानते हैं कि किसी भी सफलता के पीछे परिवार का साथ और आशीर्वाद सबसे महत्वपूर्ण होता है।

उनकी यात्रा यह दर्शाती है कि धैर्य, निरंतरता और सच्ची मेहनत से स्थायी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

उनकी उत्कृष्ट व्यावसायिक उपलब्धियों और मूल्य आधारित कार्यप्रणाली के लिए वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित “Maharashtra Business Icon” सम्मान हेतु उनका चयन किया गया है।

यह सम्मान **Reseal.in** तथा **India Fashion Icon Magazine** द्वारा प्रदान किया जाएगा।

इस भव्य समारोह में प्रसिद्ध अभिनेत्री **Prarthana Behere** विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम का नेतृत्व **Sudhir Kumar Pathade** द्वारा किया जा रहा है।

मिलिंद प्रमोदचंद गांधी की कहानी यह सिखाती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत ईमानदार हो और रास्ता नैतिकता का हो, तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है।

उनकी यात्रा केवल एक व्यवसाय की कहानी नहीं, बल्कि विश्वास और मूल्यों की परंपरा का सुंदर उदाहरण है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.